अमृतवेले 5 बजे 12/5/68

अमृतवेले के अनमोल महावाक्यः– शास्त्रों में लिखा है बाप आते हैं तो सभी का पाप हप करते (हैं।) तुम शिवबाबा की याद करके अपनी पाप हप करते। बाकी ऐसे नहीं कि बाप के आने से पाप निकल जा(वेंगे) ये ग़लत है। बाप को याद करना है। ऐसे नहीं कि बाप को याद करने से तुम बच्चों का पाप भस्म (हो) जाते हैं। अभी जो करते हैं। ऐसे नहीं कि इस सम(य) बाप सिखलाते हैं; लेकिन इसमें भी जितना–2 सचमुच (याद) है तो पाप भस्म होते हैं। यहां तो पुरुषार्थ करते हो। यह शरीर यह पुरानी दुनियां छोड़ बाप के पास जा ..... ऐसे घर में भी पुरुषार्थ करते रहते हैं कि वापस जावें। अभी कोई जावेंगे नहीं। अगर कोई शरीर छोड़े तो (फिर) वापस आ जावेंगे। अच्छा बच्चों को गुडमॉर्निंग और नमस्ते।

शिवबाबा और वर्सा याद है?